

श्रीनाथसुग्रह

पण्डितलोकनाथद्विवेदीकृत

जिसमें

उद्योतर्षासी, नाथपञ्चरो, गणेशाष्टक, अम्बिकाष्टक,
नानीपचरत्न, गणेश अन्नपूर्णाष्टक सकटाष्टक, अ
वाविनथाष्टक, विश्वनाथष्टक, शिवाष्टक, कवीरशाही
पद, काशीपचरत्न, रामजन्माष्टक मधुनाथाष्टक, हनुम
ताष्टक, कृष्णजगन्नाथ गणिकाष्टक, यशनाष्टक, बल्दे
वाष्टक, कृष्णाष्टक रघुनाथ नाथनाटक, गोपीप्रह
राष्टक गोपीकल्याणष्टक ऐश्वर्यशिराष्टक,
गोपीप्रलापाष्टक, विहाराष्टक, महाराष्टक, झूलाष्टक,
जनकपुराष्टक, रामव्यास गरी, केशवाष्टक, माधवाष्टक,
छद्मपचरत्न, सांभीपचरत्न, निर्गुणाष्टक, फागुनवर्णन,
गोचरणपचरत्न चण्डिकाष्टक अनुरागसोहराष्टक,

रासपचरत्न वक्राचरत्न, भारतीयचरत्नादि

पुस्तकें आतर्गत हैं ॥

प्रथमप्रार

लाखनऊ

मशीनप्रतिलिखार (सी, आइ, ड) के द्वापेखाने में छपी
दिसम्बर सन् १८८९ ई० ॥

— — — — — पुस्तकें के दम्त इ-क देगने में ॥